NSDL Technology, Trust & Reach

द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप

जून-सितम्बर 2020

संपादक की ओर से

प्रिय पाठकों,

कोरोना महामारी के कारण स्वास्थ्य और वित्तीय क्षेत्रों में आई गिरावट की वजह से निराशा का माहौल बन गया था। ऐसे माहौल में व्यक्तियों और व्यवसायों ने परिस्थितिओं के साथ जिस प्रकार स्वयं को ढाला है, उसे देखकर खुशी होती है। अगर आशावादी दृष्टिकोण से देखा जाए तो ऐसी गिरावट वित्तीय कमजोरियों के बारे में समृद्ध अनुभव और सबक प्रदान करती है।

यह उन लोगों पर ज्यादा खरी बैठती हैं जिन्होंने हाल ही में कमाना शुरू किया है और जिन में वित्तीय विवेक की कमी है। सौभाग्य से तालाबंदी के कारण लोगों के पास अतिरिक्त समय था जिसे उन्होंने बाज़ार और निवेश को समझने के लिये लगाया। द फाइनेंशियल कैलिडोस्कोप के इस अंक में हम यही बात करेंगे - निवेश की मूल बातें और धन सृजन के गुर।

जिन्होंने हाल ही में धन सृजन के लिये अपनी यात्रा शुरू की है, उन लोगों को हार्दिक बधाई। हम आशा करते हैं कि अन्य लोग भी इनका अनुसरण करेंगे। निवेश काफी हद तक व्यवहार और आदतों के बारे में है। अन्य अच्छी चीज़ों की तरह धन सृजन में भी संयम का महत्व हैं और अच्छा लाभ लंबी अवधि में प्राप्त होता है।

इस संस्करण में नए लोगों के लिये निवेश की सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ, माहिर लोगों के लिये भी निवेश के अन्य रूपों पर कुछ सुझाव और सलाह की चर्चा की गयी है। हम इस चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल और अस्थिर बाजार से उत्पन्न हुई स्थितियों से निपटने के लिये निवेश कुछ बारीकियों और सावधानियों की भी की चर्चा करेंगे।

हम अपने सभी पाठकों को 'नॉलेज विंस कांटेस्ट' में भाग लेने के लिये और पत्र के अंदर दी गई लिंक पर अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव देने के लिये आमंत्रित करते हैं। समाचार पत्र का हिंदी संस्करण पढ़ने के लिये इस लिंक पर क्लिक करें https://nsdl.co.in/publications/nest.php ।

हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप अपने मित्रों, सहकर्मियों और अन्य ऐसे लोग जो निवेश में रुचि रखते हों, उनके साथ यह समाचार पत्र साझा करें। इस समाचार पत्र को https://nsdl.co.in/e-newsletter.php पर सब्सक्राइब किया जा सकता है। इस अंक को प्रकाशित करने में हुई देरी के लिये हमें खेद है। हम अपने सम्मानित पाठकों को आश्वस्त करते हैं कि इस समाचार पत्र का अगला अंक आप तक समय पर पहुंचाने का पूरा प्रयास करेंगे।

आभार,
एनएसडीएल निवेशक शिक्षा टीम

निवेश का निर्णय

सलाह और अनुसंधान पर आधारित निवेश

निवेश एक कला नहीं बल्कि विज्ञान ज्यादा है। निवेश उपकरण को समझना और इसे धन सृजन के लिये एक साधन के रूप में उपयोग करना प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसा करने के दो तरीके हैं - एक वित्तीय सलाहकार की सेवाएं लेना या अपना स्वयं का शोध करना।

नए निवेशकों को हम आरंभ करने के लिये पेशेवर वित्तीय सलाहकार मदद लेने की सलाह देते हैं। आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति और भविष्य की योजनाओं का विश्लेषण, आपकी आवश्यकताओं के अनुकूल निवेश नीति बनाने के लिये पहला कदम है। हालांकि यह मार्गदर्शन कुछ निवेशकों के लिये एक बार का कार्य हो सकता है, लेकिन एक सलाहकार का चयन करना महत्वपूर्ण है जो जानकार और कार्य के लिये योग्य हो।

वैकल्पिक रूप से, यदि आपको निवेश प्रक्रिया की अच्छी समझ है, बाजार की गतिशीलता और जोखिम लेने की आपकी सीमा को आप समझते हैं, तो स्वयं के शोध के आधार पर आपको निवेश करने से बेहतर लाभ मिल सकता है। इसमें पुराने आँकड़ों के आधार पर कंपनी के प्रदर्शन को समझना और कंपनी के वित्तीय प्रतिवेदन (रिपोर्ट) को पढ़ना शामिल है।

अंतरंग व्यापार सम्बन्धी खबरों (इनसाइडर टिप्स) से बचें

यदि आप एक इक्विटी निवेशक हैं, तो बड़ी संभावना है कि किसी समय आपको त्वरित पैसा बनाने के लिये किसी विशेष स्टॉक में व्यापार का संचालन करने के लिये एक 'इनसाइडर टिप' की पेशकश की गई हो। कभी टिप सिर्फ एक वाक्य या बयान होती है, कभी यह एक महत्वपूर्ण विकास की अग्रिम खबर होती है, जो स्टॉक की कीमत उठा सकती है। किसी भी स्थिति में, 'टिप' का निम्नलिखित दो में से कोई एक परिणाम हो सकता है-

1. यदि टिप झूठी निकलती है, तो आप पैसा खो सकते हैं।
2. यदि टिप सच निकलती है, तो आप कुछ पैसा कमा सकते हैं। लेकिन यह आपको कानूनी परेशानियों में डाल सकता है। ऐसा इसलिये है क्योंकि सेबी के नियमों के अनुसार, अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) के आधार पर सौदे करना अंतरंग व्यापार (इनसाइडर ट्रेडिंग) माना जाता है और यह एक दंडनीय अपराध है। सेबी ऐसी जानकारी के संचार को और दूसरों को इस आधार पर निवेश करने के लिये प्रोत्साहित करने को प्रतिबंधित करती है।

ब्लू चिप कंपनियों में सुरक्षित निवेश

इक्विटी बाजार में लंबी अवधि में बेहतर लाभ देने की प्रवृत्ति होती है, हालांकि इसमें कुछ हद तक जोखिम भी होता है। भले ही आप एक अनुभवी निवेशक हों, पर किसी कंपनी के प्रदर्शन की भविष्यवाणी करना हमेशा संभव नहीं होता है। आम तौर पर जोखिम को कम करने के लिये ब्लू चिप कंपनियों में निवेश करना सही माना जाता है।

ब्लू चिप कंपनियों से मतलब उन प्रख्यात कंपनियों से है जो हालिया ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर एक मजबूत

क्षमता रखतीं हैं। ये आर्थिक रूप से मजबूत कंपनियां होती हैं। और हालांकि उनकी कीमत अधिक हो सकती है, वे लंबे समय में बेहतर लाभ देती हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस तरह के स्टॉक अस्थिर या चुनौतीपूर्ण बाजार की स्थितियों में भी काफी स्थिर रहते हैं।

निवेश यात्रा में पहला कदम

म्युचुअल फंड्स

बाजार में उपलब्ध निवेश साधनों की बड़ी संख्या और तकनीकी पहलुओं के कारण अधिकांश नए निवेशकों के लिये निवेश यात्रा की शुरुआत कठिन हो जाती है। म्युचुअल फंड नए निवेशकों को निवेश के लिये एक आदर्श शुरुआत देता है। यह निम्नलिखित विशिष्ट लाभ प्रदान करता है:

- छोटे निवेश के लिये अनुकूल:

एक म्युचुअल फंड कई निवेशकों से प्राप्त धन का एक कोष है जिसे विभिन्न परिसंपत्तियों में निवेश किया जाता है। इससे नए या छोटे निवेशक राशि का भी निवेश कर सकते हैं और उन निवेशों का लाभ उठा सकते हैं जो अन्यथा उनकी पहुंच से बाहर होते हैं।

- अपेक्षाकृत तरल:

अधिकांश म्युचुअल फंड में लॉक-इन अवधि नहीं होती है, इसलिये निवेशक जब भी चाहें या ज़रुरत पड़ने पर निवेश बंद कर अपना पैसा वापिस ले सकते हैं। निवेशकों को न तो कारण बताने की आवश्यकता होती है और न ही बाध्य किया जाता है। पैसा कुछ दिनों के भीतर उनके बैंक खाते में जमा हो जाता है।

- निवेश निर्णय लेने वाले विशेषज्ञ:

शेयर में निवेश करने के लिये निवेशकों को नियमित आधार पर अपने निवेशों का शोध, विश्लेषण और उन्हें ट्रैक करना पड़ता है। नए निवेशकों के पास अक्सर ऐसा करने का समय, अनुभव या विशेषज्ञता नहीं होती है। म्यूचुअल फंड स्कीम का प्रबंधन सभी निवेशकों की ओर से पेशेवर विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है और वे निवेश के फैसले लेते हैं।

- सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी)

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) एक प्रचलित निवेश उपकरण है जो निवेशकों को उनकी पसंद की योजना में हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश करने की सुविधा देता है। छोटे निवेश की सुविधा के अलावा, महीने-दर-महीने इसे करने की नियमितता, खर्च में अनुशासन पैदा करती है। म्युचुअल फंड्स में एसआईपी नए निवेशकों के बीच एक लोकप्रिय विधि के रूप में उभरा है। निवेशक एसआईपी मार्ग के माध्यम से इक्विटी बाजारों में सीधे निवेश भी कर सकते हैं।

"जब तक आप बिना विचलित हुए अपने शेयर में 50% की गिरावट नहीं देख सकते, तब तक आपको शेयर बाजार में नहीं रहना चाहिए।"
वारेन बफेट

जो निवेशक ज्यादा जोखिम ले सकते हैं उनके लिये इक्विटी एसआईपी तुलनात्मक रूप से बेहतर होने के साथ लाभदायक भी हैं, विशेष रूप से अस्थिर बाजार में रुपये की औसत लागत का लाभ उठाने के लिये। कई शेयर दलाल म्युचुअल फंड एसआईपी की तरह, इक्विटी एसआईपी की सुविधा भी देते हैं।

मार्जिन ट्रेडिंग एक इक्विटी ट्रेडिंग रणनीति है जो निवेशकों को आंशिक राशि (या मार्जिन) का भुगतान करके अधिक कीमत के शेयर खरीदने की सुविधा देती है। इसमें एक सत्र में शेयर की खरीद और बिक्री शामिल है जिसमे निवेशक को एक सत्र में स्टॉक की हलचल का अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है। मार्जिन ट्रेडिंग खाता स्टॉक ब्रोकर्स के माध्यम से दी जाने वाली एक सुविधा है जो एक निश्चित राशि का भुगतान करके प्राप्त की जा सकती है। मार्जिन शेयर के वास्तविक मूल्य के आधार पर नकदी या प्रतिभूतियों के रूप में हो सकता है। एक ट्रेडिंग सत्र के अंत में निवेशकों को मार्जिन का भुगतान या स्क्वायर ऑफ द्वारा निपटान किया जाता है।

चूंकि मार्जिन ट्रेडिंग में लीवरेज्ड पोजिशन होती है, इसलिये लाभ और हानि दोनों ही बड़ी मात्रा में हो सकते हैं। एक्सचेंज द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों (जिसे आपके शेयर दलाल द्वारा बढ़ाया जा सकता है) के अनुसार मार्जिन बनाए रखना अनिवार्य है। ऐसा करने में विफलता का परिणाम शेयर ब्रोकर द्वारा मजबूरन शेयर बिक्री हो सकती है।

मार्जिन गिरवी के संबंध में हाल के बदलाव:

1 सितंबर, 2020 से सेबी ने शेयर दलाल को ग्राहकों से प्राप्त पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) जिसे मार्जिन के समकक्ष समझा जाता था, इस रूप में उसका उपयोग करने से रोक दिया है। साथ ही शेयर दलाल के पक्ष में शेयर हस्तांतरण के माध्यम से मार्जिन का संग्रह भी प्रतिबंधित कर दिया है।

अब ग्राहक द्वारा प्रतिभूतियों के रूप में दिए गए मार्जिन दायित्वों को केवल डिपॉजिटरी सिस्टम में गिरवी के माध्यम से होना चाहिए। सेबी ने घोषणा की है कि प्रतिभूतियों के रूप में मार्जिन प्रदान करने के लिये, ग्राहक को अपने शेयर दलाल के पक्ष में प्रतिभूतियों को गिरवी रखना होगा। शेयर दलाल अपने क्लियरिंग सदस्य (सीएम) के पास प्रतिभूतियों को फिर से गिरवी रख सकता है। और यदि आवश्यक हो तो सीएम, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन (सीसी) के पास प्रतिभूतियों को फिर से गिरवी रख सकता है। गिरवी और पुनः गिरवी दोनों के लिये ग्राहक की सहमति की आवश्यकता होती है।

इस तरह के गिरवी और पुन: गिरवी व्यवहारों की पूरी जानकारी गिरवीदार के डीमैट खाते में दिखाई देगी। ग्राहक की प्रतिभूतियाँ जो कि सीएम द्वारा सीसी को फिर से गिरवी रखी जाती हैं, वे केवल उस ग्राहक को एक्सपोज़र लिमिट देने के लिये उपलब्ध होंगी।

मार्जिन गिरवी रखने के लिये ग्राहक, 'टीएम क्लाइंट सिक्युरिटीज मार्जिन प्लेज अकाउंट' या 'टीएम - सीएम क्लाइंट सिक्युरिटीज मार्जिन प्लेज अकाउंट' के पक्ष में एक मार्जिन गिरवी निर्देश फॉर्म (फॉर्म 43) डीपी को दे सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, एनएसडीएल की इंटरनेट आधारित सेवा यानी स्पीड-ई का उपयोग करके ऐसा किया जा सकता है।

मार्जिन गिरवी की प्रक्रिया को ईमेल और मोबाइल के माध्यम से ग्राहक से पुष्टि की आवश्यकता होती है, कृपया सुनिश्चित करें कि आपका ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर आपके डीमैट खाते में सही तरीके से दर्ज किए गए हैं। अगर आप इसे बदलना चाहते हैं, कृपया जल्द से जल्द अपने डीपी से संपर्क करें।

आपको यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि आपके शेयर दलाल द्वारा आपको आबंटित विशिष्ट ग्राहक कोड (यूसीसी) आपके डीमैट खाते में सही दर्ज किया गया है। यह इसलिये महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि यूसीसी के मिलान के आधार पर ही मार्जिन पुष्टि सम्बन्धी निर्देश आपको उपलब्ध होते हैं।

डिपॉजिटरी ने स्टॉक एक्सचेंजों से यूसीसी जानकारी प्राप्त की है और पैन के आधार पर उन्हें डीमैट खातों के साथ जोड़ा है। कृपया अपने डीपी के पास से जांचें कि आपके सभी यूसीसी आपके डीमैट खाते में विधिवत दर्ज हैं। अगर आपको कोई यूसीसी नहीं मिलता है या फिर कोई

यूसीसी ऐसा मिलता है जो आपका नहीं हैं, तो कृपया अपने शेयर दलाल के पास जाँच करें और अपने डीपी के माध्यम से डीमैट खाते में सही दर्ज करवाएं।

व्युत्पन्न (डेरिवेटिव्स) – फ्यूचर्स और ऑपशन्स

डेरिवेटिव ऐसे वित्तीय साधन हैं जो अन्य परिसंपत्तियों के मूल्य से अपना मूल्य प्राप्त करते हैं। डेरिवेटिव कई परिसंपत्तियों पर आधारित हो सकते हैं जैसे वित्तीय संपत्ति, कृषि उपज, धातु और ऊर्जा स्रोत। मुद्राओं और ब्याज दरों पर भी डेरिवेटिव उपलब्ध हो सकते हैं।

निवेशकों के दृष्टिकोण से, डेरिवेटिव निवेशक के अनुमान या समझ के आधार पर भविष्य में एक निश्चित उत्पाद का, उस उत्पाद की कीमत में भविष्य में उतार / चढ़ाव की संभावना पर आधारित व्यापार करने का एक अनुबंध है। निवेशक एक अंतर्निहित संपत्ति के भविष्य के मूल्य पर दांव लगाकर पैसा बनाते हैं। यदि अंतर्निहित परिसंपत्ति की कीमत उनकी अपेक्षा के अनुसार नहीं बढती हैं, तो वे पैसा खो देते हैं।

अंतर्निहित परिसंपत्ति के भविष्य की कीमत का अनुमान लगाने में सक्षमता, पिछले मूल्य रुझानों का विश्लेषण, व्यापक आर्थिक स्थिति और चल रहे वैश्विक विकास को समझने की क्षमता आदि कारकों का संयोजन, डेरिवेटिव को एक जटिल निवेश उपकरण बनाते हैं। यह केवल उन अनुभवी निवेशकों को करना चाहिए जिनके पास आवश्यक ज्ञान और समय है।

ज्ञान स्रोत

पैसा कमाना अल्पकालिक दृष्टि है और धन का सृजन लम्बी प्रक्रिया है। धन का सृजन और निवेश दोनों के लिये रणनीति और कई कारकों पर विचार की आवश्यकता होती है। बाजार की गतिशीलता को देखते हुए कई नयी चीजें होती रहती हैं जो इस पर प्रभाव डालती हैं। जैसे नए नियम, नए निवेश उत्पाद, मौजूदा निवेश उत्पादों में परिवर्तन आदि। निवेशकों को लाभ कमाने के लिये ऐसी जानकारिओं से अवगत रहना होता हैं। इस समाचार पत्र के अतिरिक्त, निम्नलिखित स्रोत उपयोगी हो सकते हैं-

- नेशनल सेंटर फ़ॉर फ़ाइनेंशियल एजुकेशन (एनसीएफई): वित्तीय क्षेत्र के नियामकों जैसे सेबी और आरबीआई, द्वारा प्रवर्तित वित्तीय शिक्षा संगठन।
- सेबी इन्वेस्टर्स होम: निवेशकों और वित्तीय शिक्षा के लिये एक समृद्ध संसाधन।
- एनएसई इंडिया इन्वेस्टर होम: नए निवेशकों के लिये सुझाव और संसाधन।
- राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम): यह संस्थान प्रतिभूति बाजारों में गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर क्षमता निर्माण गतिविधियों का संचालन करता है।
- प्लेटफॉर्म फॉर इन्वेस्टर एजुकेशन: इसमें निवेशक के लिये कई उपकरण, प्रश्नावली और अन्य शिक्षण सामग्री शामिल हैं।

NSDL Payments Bank

NSDL Jiffy

GET IT ON Google Play

डिजिटल बैंकिंग संसाधन

वर्तमान में अधिकांश वित्तीय सेवाएं मोबाइल आधारित हैं और लोग अपने निवेश लक्ष्यों के अनुसार निवेश करने के लिये कई प्लेटफार्म का उपयोग करते हैं। इस तरह की जरूरतों को पूरा करने के लिये कई बैंक अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप प्लेटफॉर्म पर सुविधा दे रहे हैं। जिन लोगों को कई प्लेटफार्म का उपयोग करना मुश्किल लगता है, उन्हें ऐसे ऑनलाइन बैंकिंग प्लेटफार्मों से लाभ हो सकता है जो एक मंच पर आसान समाधान प्रदान करते हैं।

'एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक' ऐसा ही एक बैंक है जो एक ही मंच – 'एनएसडीएल जिफ्फी मोबाइल ऍप' पर विभिन्न वित्तीय उत्पाद प्रदान करता है। वर्तमान में बैंक मोबाइल ऐप पर पूरी तरह से डिजिटल बचत खाता प्रदान कर रहा है, जिस पर 4% वार्षिक ब्याज देय है।

"शेयर बाजार में पैसा बनाने के लिये आपके पास दूरदृष्टि, साहस और धैर्य होना चाहिए। तीनों में से सबसे दुर्लभ धैर्य है।"
थॉमस फेल्प्स

डिपॉजिटरी सिस्टम में स्टाम्प ड्यूटी के संग्रह का कार्यान्वयन

1. जुलाई 1, 2020 से डिपॉजिटरी सिस्टम में होने वाले सभी इंट्रा और इंटर डिपॉजिटरी ऑफ-मार्केट ट्रांसफर और गिरवी आव्हान (इन्वोकेशन) लेनदेन पर स्टांप ड्यूटी लागू होगी। स्टांप ड्यूटी एनएसडीएल डिपॉजिटरी सिस्टम में उल्लेख की गयी प्रतिफल राशि के आधार पर देय होगी।
2. ऑफ-मार्केट ट्रांसफर (इंटर डिपॉजिटरी ट्रांसफर सहित) और गिरवी आव्हान (इन्वोकेशन) लेनदेन (जिसमें प्रतिफल राशि का उल्लेख किया गया हो), पर कार्रवाई तभी की जाएगी जबकि एनएसडीएल के नामित बैंक खाते में ग्राहक या प्रतिभागी (डीपी) द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लागू स्टैंप ड्यूटी का भुगतान कर दिया गया हो।
3. स्टैंप ड्यूटी कैलकुलेटर - ग्राहकों की सुविधा के लिये एनएसडीएल वेबसाइट पर स्टैंप ड्यूटी कैलकुलेटर उपलब्ध है।

सन्दर्भ Circular No. NSDL/POICY/2020/0085 dated June 26, 2020 एनएसडीएल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

शेयर दलाल / शेयर दलाल और डीपी के पक्ष में ग्राहकों द्वारा पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) का निष्पादन

सेबी ने स्पष्ट किया है कि पीओए वैकल्पिक है और उसे शेयर दलाल / शेयर दलाल और डीपी द्वारा खाता खोलने के लिये अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा ग्राहक द्वारा शेयर दलाल / शेयर दलाल और डीपी के पक्ष में निष्पादित पीओए का उपयोग केवल निम्नलिखित चीज़ों में किया जा जा सकता है –

- स्टॉक एक्सचेंज पर ग्राहक द्वारा उसी शेयर दलाल द्वारा किये गए सौदों के सम्बन्ध में संबंधित ग्राहक के खातों से प्रतिभूतियों का हस्तांतरण।

- स्टॉक एक्सचेंज पर ग्राहकों द्वारा किये गए सौदों के सम्बन्ध में ग्राहकों की मार्जिन आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से शेयर दलाल / क्लियरिंग सदस्य (सीएम) के पक्ष में प्रतिभूतियों को गिरवी / पुनः गिरवी रखने के लिये।

- नवंबर 1, 2020 से प्रतिभूतियों के ऑफ-मार्केट ट्रांसफर पर डिपॉजिटरी द्वारा तभी कार्रवाही की जाएगी जबकि डिलीवरी इंस्ट्रक्शन स्लिप (डीआईएस) ग्राहक द्वारा स्वयं हस्ताक्षरित हो या इलेक्ट्रॉनिक डीआईएस के माध्यम से विधिवत हस्ताक्षरित हो। इसके अलावा डिपॉजिटरी को ग्राहक के डीमैट खाते से प्रतिभूतियों के ऑफ-मार्केट ट्रांसफर के लिये वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के माध्यम से ग्राहक की सहमति प्राप्त करने की व्यवस्था भी करनी होगी।

सन्दर्भ: Circular No. NSDL/POLICY/2020/0118 dated August 28, 2020 एनएसडीएल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डिपॉजिटरी सिस्टम में गिरवी / पुनः गिरवी के माध्यम से दिए जाने वाले मार्जिन दायित्वों पर अतिरिक्त दिशा निर्देश

मार्जिन फंडिंग खाते के तहत ग्राहकों की प्रतिभूति

- प्रतिभागियों (डीपी) को मार्जिन फंडिंग के तहत ग्राहकों की प्रतिभूति रखने के लिये एक अलग डीमैट खाते को खोलने के लिये एनएसडीएल ने नया खाता प्रकार और उप-प्रकार उपलब्ध कराया है।

- सेबी द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण अनुसार मार्जिन फंडेड शेयर 'टीएम / सीएम क्लाइंट सेक्युरिटीज़ अंडर मार्जिन फंडिंग अकाउंट' (सीएसएमए खाता) के पक्ष में केवल संबंधित ग्राहक द्वारा ओटीपी पुष्टिकरण के माध्यम से ही गिरवी रखे जाएंगे। और गिरवी रखी गई प्रतिभूतियां केवल गिरवी आह्वान पर ही सीएसएमए खाते में जा सकती हैं। ग्राहकों द्वारा मार्जिन फंडिंग लेनदेन को मान्य करने के लिये मार्जिन गिरवी मॉड्यूल का और मार्जिन गिरवी के लिये प्रयुक्त होने वाले ओटीपी तंत्र का उपयोग किया जाएगा।

- सीएसएमए खाते से पुन: गिरवी की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- ग्राहक द्वारा 'सभी खंडों' के लिये मार्जिन गिरवी किए जाने पर, ऐसी प्रतिभूतियों के लिये टीएम द्वारा पुनः गिरवी किसी विशिष्ट खंड या सभी खंडों के लिये की जा सकती है। ग्राहक द्वारा गिरवी रखी प्रतिभूतियाँ, जो शेयर दलाल (टीएम) द्वारा सीएम के पक्ष में सभी खंडों के लिये मार्जिन गिरवी रखी गयीं हों, की सीएम द्वारा पुनः गिरवी केवल विशिष्ट खंड के लिये की ही जा सकती है।

सन्दर्भ: Circular No. NSDL/POLICY/2020/0101 dated July 28, 2020 एनएसडीएल वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आमंत्रण हमारे निवेशक जागरूकता वेबिनार में शामिल होने का

निवेशकों को निवेश के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी देने के लिये एनएसडीएल पूरे देश में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम (आईएपी) आयोजित करता है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए एनएसडीएल वेबिनार के रूप में निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों को जारी रखे हुए है। आगामी कार्यक्रमों / वेबिनार की अनुसूची https://nsdl.co.in/Investor-Awareness-Programmes.php पर ऑनलाइन प्रकाशित की जाती है।

वेबिनार में शामिल होने के लिये पूर्व पंजीकरण आवश्यक है। पंजीकरण के लिये लिंक अनुसूची के साथ उपलब्ध है।

हमें आपके संगठन / संस्थान / समाज के लिये कार्यक्रम आयोजित करने में खुशी होगी। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के कृपया हमें info@nsdl.co.in पर लिखें।

अद्यतन कार्यक्रम अनुसूची के लिये कृपया https://nsdl.co.in/Investor-Awareness Programmes.php पर क्लिक करें।

अधिक शिक्षा, अधिक विवेक

नॉलेज विन्स कांटेस्ट

एक निवेशक द्वारा मार्जिन प्लेज निर्देश कैसे कैसे दिया जा सकता है?

उत्तर भेजने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें या क्यू आर कोड स्कैन करें

25 भाग्यशाली विजेताओं को मिलेंगे उपहार

पिछले महीने के विजेता

अजय कुलकर्णी - औरंगाबाद
एंथोनी दास - बेंगलुरु
असित केसरवानी - लखनऊ
आज़म रज़ा - पटना
धर्मेश परमार - नवसारी
द्वारकानाथ ग्रैंडहेम - उज्जैन
गंगाधर पी बी - बेंगलुरु
कीर्तिपाल कबावत - जोधपुर
कुमार किल्लदा - हैदराबाद
कुशाल छीपा - उदयपुर
मानबेन्द्र डे - बेंगलुरु
मृदुल वर्मा - नई दिल्ली
नमन जैन - लुधियाना
प्रज्वल गंगाधर - बेंगलुरु
राकेश गुटेदार - विजयपुरा
रमाकांत भला - वाराणसी
संजय कुमार - फरीदाबाद
सर्वेश्वरन अरु - पुदुचेरी
शालिनी श्रीवास्तव - गाजियाबाद
शंकर कुमार - जमशेदपुर
सोनी सैनी - होशियारपुर
श्रीनिवास रावुलपल्ली - बेरामगुड़ा
तेज बहादुर - मुंबई
वामसी कृष्णा - बेंगलुरु
वृंदाबन खंडेलवाल - गुरुग्राम

मुख्य कार्यालय

ट्रेड वर्ल्ड, ए विंग, चौथा माला, कमला मिल्स कंपाउंड, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई - 400013

शाखायें

अहमदाबाद कोच्चि कोलकाता चेन्नई जयपुर नई दिल्ली बेंगलुरु लखनऊ हैदराबाद

डीमैट संबंधित किसी भी शिकायत के लिए हमें relations@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें
डीमैट संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिए हमें info@nsdl.co.in पर ई-मेल लिखें

नियम और शर्तें:

1) इस प्रतियोगिता के निष्पादन के लिए केवल एनएसडीएल जिम्मेदार रहेगा। 2) यह प्रतियोगिता सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए है। 3) एनएसडीएल के कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। 4) व्यक्तिगत जानकारी पूरी और सही होनी चाहिए। 5) आवश्यकता पड़ने पर एनएसडीएल प्रमाण की मांग कर सकता हैं 6) एनएसडीएल को किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना दिए, प्रतियोगिता बंद करने का अधिकार है। 7) विजेताओं का चयन एनएसडीएल द्वारा किया जाएगा। एनएसडीएल का निर्णय अंतिम होगा

नेशनल सिक्युरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फण्ड ट्रस्ट की ओर से श्री प्रशांत वागल (संपादक) द्वारा मुद्रित व प्रकाशित